



Circular No.24/2016-17



काव्यांजलि (कक्षा- छठी से आठवीं)

प्रिय अभिभावकगण,

कविताओं के पठन एवं श्रवण से आनंदानुभूति के साथ-साथ रसों का विरेचन तथा आस्वादन होता है। साथ ही कविताएँ मनुष्य को संवेदनशील बनाने में भी प्रमुख भूमिका निभाती हैं किंतु कुछ समय से ऐसा अनुभव किया जा रहा है कि छात्र कविताओं के पठन व उन्हें आत्मसात करने से विमुख होते जा रहे हैं, जो उनके सर्वांगीण विकास में कहीं न कहीं अवरोध उत्पन्न करता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए कक्षा छठी से आठवीं में भी 'काव्यांजलि' नामक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, इस हेतु मुख्य दिशा-निर्देश इस प्रकार हैं –

- यह प्रतियोगिता दो चक्रों में होगी – प्रथम व द्वितीय चक्र

- **प्रथम चक्र (कक्षागत गतिविधि)-**

इसके अंतर्गत छात्र निम्नलिखित विषयों से संबंधित कविताएँ कंठस्थ करेंगे-

- *10 दोहे-नीति, श्रृंगार व भक्ति से संबंधित (कबीर, रहीम द्वारा रचित)
- *5 पद-वात्सल्य व भक्ति से संबंधित (सूरदास, तुलसीदास, मीरा द्वारा रचित)
- *3 कविताएँ – प्रकृति-चित्रण से संबंधित (सुमित्रानंदन पंत, केदारनाथ अग्रवाल आदि द्वारा रचित)
- *3 कविताएँ – देशप्रेम, राष्ट्रियता से संबंधित (मैथिलीशरण गुप्त, दिनकर आदि द्वारा रचित)
- *3 हास्य/व्यंग्य कविताएँ (काका हाथरसी आदि द्वारा कृत)

द्वितीय चक्र हेतु प्रत्येक कक्षा में पाँच उच्च-वरीयता प्राप्त छात्रों का चुनाव होगा।

- **द्वितीय चक्र (सभागार गतिविधि)-**

इसके अंतर्गत छात्र स्वरचित कविता का वाचन करेगा तथा साथ ही निर्णायक मंडल द्वारा निर्देशित प्रथम चक्र की कविता का वाचन करेगा तथा उसके भावार्थ आदि से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी देगा।

- तत्पश्चात वरीयता के आधार पर विजेता का चुनाव होगा तथा उसे रु5000/- की नकद राशि व प्रशस्ति-पत्र पुरस्कारस्वरूप प्रदान किया जाएगा।
- द्वितीय चक्र के मूल्यांकन हेतु किसी प्रसिद्ध रचनाकार को निर्णायक के रूप में आमंत्रित करने की योजना है।
- प्रथम चक्र हेतु सभी कविताएँ विद्यालय की वेबसाइट पर छात्रों व अभिभावकों को उपलब्ध हो सकेंगी।

उपर्युक्त योजना के कार्यान्वयन हेतु आपका सहयोग प्रार्थनीय है। आपसे अनुरोध है कि छात्रों को इसमें रुचिपूर्वक भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करें।

हिंदी विभाग

आशा प्रभाकर

प्रधानाचार्या

Distribution

VPL /HM (Sr) / HM (Pr) / Mont I/C

Website I/C, All staff (via e-mail)

Anjani (File)